एक्सप्रेस न्यूज

नकली पान-मसाला बनाने वाले कारखाने का भंडाफोड़

राजकोट, (एजेंसी)। गुजरात में राजकोट जिले के जसदण क्षेत्र में नकली पान-मसाला बनाने वाले कारखाने का भंडाफोड़ करते हुए पुलिस ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि सूचना के आधार सरतानपर गांव में मुनाभाई भ. खाचर के खेत में बने कमरे पर रविवार देर रात छापा मारा गया। इस दौरान वहां से ब्रांडेड कंपनियों के नाम वाले पाउच में पान मसाला तथा तंबाकू भर कर पैकिंग की जा रही थी। मौके से कुल 2,61,150 रुपए कीमत का पान मसाला, सुपारी, तंबाकू, ब्रांडेड कंपनियों के नाम वाले पाउच, पाउच पैकिंग की मशीन तथा अन्य सामान जब्त करने के साथ एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान बेलडा गांव निवासी रमेशभाई खी. सोलंकी (40) के रूप में हुयी है। उसे कोरोना जांच के लिए भेजा गया है। रिपोर्ट आने के बाद आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और खेत के मालिक की तलाश शुरू कर दी है।

कश्मीर में मादक पदार्थों की तस्करी के मामले में एनआईए की छापेमारी

श्रीनगर, (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के बांदीपुरा जिले में मादक पदार्थों के तस्करी (नार्को मिलिटेंसी) मामले में सोमवार को सुरक्षा बलों की मदद से राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने एक घर और शॉपिंग काम्पलेक्स पर छापा मारा। सूत्रों ने यहां बताया कि सुरक्षा बलों और राज्य पुलिस जवानों को सोमवार को सुबह बांदीपोरा के वांगिपोरा संबल में तैनात किया गया। इससे पहले एनआईए अधिकारियों के एक दल ने शौकत अहमद पार्रे के घर पर छापा मारा। छापेमारी के दौरान एनआईए की टीम के साथ तहसीलदार और पटवारी समेत संबंधित राजस्व अधिकारी मौजूद थे। एनआईए की टीम ने उनके आवास और शॉपिंग कॉम्पलेक्स में तीन से अधिक घंटे तक छापेमारी की कार्रवाई की। टीम पार्रे के घर से कुछ दस्तावेज मिले है जो हंदवाड़ा नार्को मिलिटेंसी मामले में जांच एजेंसी के हिरासत में है। दो वर्ष पहले हंदवाडा में पुलिस ने लगभग 30 किलो हेरोइन और लाखों रुपए बरामद किए थे। एजेंसी ने इस सिलसिले में नियंत्रण रेखा के पार के व्यापारियों से संपर्क साधने और नार्को मिलिटेंसी मामलों में कई लोगों को गिरफ्तार किया। व्यापार के नाम पर एलओसी से मादक पदार्थो की तस्करी के आरोपों के कारण केंद्रीय गृह मंत्रालय ने अप्रैल 2019 में यहां से व्यापार को बंद कर दिया था।

कथकली गुरु चेमांचेरी कुंहिरामन नायर का निधन

कोझिकोड, (एजेंसी)। प्रख्यात कथकली गुरु चेमांचेरी कुंहिरामन नायर का सोमवार तड़के चेलिया में उनके आवास में निधन हो गया। वह 105 वर्ष के थे। श्री नायर ने नौ दशकों तक एक गुरु, संरक्षक और शिक्षक, शतायु कलाकार के रूप में अपनी कला का शानदार प्रदर्शन किया था। उन्होंने कथकली की 'कल्लदीकोड' नृत्य शैली 14वर्ष की कम उम्र में शुरू की। भगवान कृष्ण के रूप में मंच पर 'वेशम' (भूमिका) के लिए उनकी चारों ओर प्रशंसा हुई। उन्होंने 1945 में भारतीय नाट्यकलाम की स्थापना की और बाद में 1983 में अपने पैतृक शहर में चेलिया कथकली विद्यालयम की स्थापना की। उन्हें केरल संगीत नाटक अकादमी ने 1977 में सम्मानित किया और बाद में 1999 में उन्हें फैलोशिप से नवाजा। वर्ष 2001 में केरल कलामंडलम ने उन्हें कलामंडलम पुरस्कार प्रदान किया। उन्हें 2002 में दारापनाम नाट्य कुलपति पुरस्कार मिला और इसी वर्ष उन्हें मयपिल्ली पुरस्कार से सम्मानित किया गया। उन्हें वर्ष 2017 में पद्मश्री से सम्मानित किया गया था।

टीएमसी विधायक देबाश्री का इस्तीफा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल चुनाव से पहले ममता बनर्जी को एक और बड़ा झटका मिला है। तृणमूल कांग्रेस की विधायक देबाश्री रॉय ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। बता दें कि पिछले कई दिनों से टीएमसी के कई सांसदों और विधायकों ने पार्टी से इस्तीफा दिया है। पिछले साल दिसंबर में ममता बनर्जी के करीबी माने जाने वाले सुवेंदु अधिकारी टीएमसी छोड़कर भाजपा में जुड़ गए थे। वहीं बीते दिनों टीएमसी सांसद दिनेश त्रिवेदी ने भी पार्टी से इस्तीफा दे दिया था और भाजपा में शामिल हो गए थे। त्रिवेदी ने पार्टी से इस्तीफा देते हुए कहा था कि राज्य में हिंसा का माहौल है, जिससे उनका दम घुट रहा है। पार्टी में बोलने के लिए कोई मंच नहीं है। इसके बाद त्रिवेदी भाजपा में शामिल हो गए थे और इसे जनता के परिवार जैसी पार्टी बताया था। उन्होंने कहा था कि भाजपा में पार्टी की सेवा के लिए बल्कि जनता की सेवा के लिए काम किया जाता है।

जमुई में नक्सली संजय हांसदा गिरफ्तार

जमुई, (एजेंसी)। बिहार में उग्रवाद प्रभावित जमुई जिले के चकाई थाना क्षेत्र से पुलिस ने नक्सली संजय हांसदा को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अधीक्षक (अभियान) सुधांशु कुमार ने सोमवार को यहां बताया कि रविवार की देर रात सूचना मिली थी कि नक्सली संजय हांसदा हांसीकॉल गांव स्थित अपने घर आया है। इसी आधार पर विशेष कार्यबल (एसटीएफ), केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) एवं स्थानीय पुलिस ने संयुक्त रूप से छापेमारी कर संजय हासदा को उसके घर से गिरफतार कर लिया। श्री कुमार ने बताया कि गिरफतार नक्सली के विरूद्ध जमुई और झारखंड के गिरीडीह जिले में कई उग्रवादी मामले दर्ज हैं। पुलिस उससे पूछताछ कर रही है।

राष्ट्र के पुनर्निर्माण के लिए राष्ट्रीय लोकनीति पार्टी का आरंभ

नई दिल्ली। आज हम एक ऐसे समाज और राष्ट्र की परिकल्पना करते हैं जहां समाज का अंतिम व्यक्ति भी महसूस करें कि देश के प्रत्येक विकास में उसकी भी अहम भूमिका और हिस्सेदारी है। लोकतंत्र की गूँज और राष्ट्र उत्थान में उसके पसीने की गंध का भी मोल हो, तभी सही मायने में लोकशाही का राम-राज्य स्थापित हो सकेगा। एक ऐसा समाज जो पारदर्शी नेतृत्व, आधुनिक तकनीक और नेक नीयत के साथ बुजुर्गों का सम्मान, स्त्रियों की सुरक्षा और नौनिहालों के स्वर्णिम भविष्य की गारंटी देता हो, यह कहना था राष्ट्रीय लोकनीति पार्टी के कन्वीनर एडमिन दीपक पांडिया का, उन्होंने कहा की जहां सरकार दाता के अहंकार में और जनता याचक के रूप में न हों, अपितु सरकार अपना दायित्व निर्वहन करते हुए प्रत्येक नागरिक के घर-द्वार तक सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध करवाना सुनिश्चित करें। राष्ट्रीय लोकनीति पार्टी के लॉन्च के अवसर पर सर्वसम्मति से राष्ट्रीय लोकनीति पार्टी के राष्ट्रीय पदाधिकारियों का चयन किया गया जिसमें ब्रिगेडियर बी. के. खन्ना को चीफ कन्वीनर, दीपक पांडिया को कन्वीनर एडमिन, एन. के. शर्मा को कन्वीनर फाइनेंस, डॉ. एल. सी. शर्मा को मेंटोर और रेणु नेगी को कन्वीनर मीडिया रिलेशन नियुक्त किया गया। पार्टी के राष्ट्रीय सलाहकार बोर्ड में जे. पी. सिंह, अलोक कुमार, आईएएस रिटायर्ड गौतम मारवाह, पद्मश्री भारत भूषण त्यागी और ब्रिगेडियर विनोद दत्ता शामिल हुए। बिग्रेडियर खन्ना एक अंतर्राष्ट्रीय व्यक्तित्व है उन्होंने सेना में रहकर देश के लिए अपनी सेवाएं प्रदान की हैं तथा 1987 में भारत की सेना ने जब श्रीलंका में शांति के लिए भेजी गई थी तो ब्रिगेडियर खन्ना ने उसमें अहम भूमिका निभाई थी, इन्होंने समाज सेवा में सर्वोच्च सेवाओं को प्रदान करने का गौरव हासिल किया, इस अवसर पर उन्होंने कहा कि सेना में रहते हुए हमारा पूरा जीवन देश के प्रति समर्पित रहा है और हर चुनौती को पूरा करने के लिए प्रयासरत रहे है, आज इस लोकनीति के तहत हम लोगों ने जो संकल्प लिया है उसे भी अवश्य पूरा करेंगे।

एन. के. शर्मा ने कहा की आज की स्थितियॉ इतनी बदल चुकी हैं कि व्यक्ति,परिवार, समाज समेत शिक्षा, स्वास्थ्य,प्रशासन, कृषि, उद्योग आदि सभी क्षेत्र पूरी तरह नवीन और भिन्न हो चुके हैं। ऐसे में हमारी सदियों पुराने प्रशासनिक ढॉचे पर आधारित राजनीति पूरी तरह बेमानी साबित हो चुकी है। हमारी पार्टी का उद्देश्य स्वास्थ्य, कृषि, बागवानी, शिक्षा और अन्य सभी प्रभागों में नए सुधारों के साथ घर द्वार की सेवाओं को लाना ताकि लोग अपनी सेवाओं में 100 प्रतिशत क्षमता के साथ कार्य कर सके, प्रत्येक पंचायत में उसी क्षेत्र के 15 लोगों को रोजगार जो हर सेवा को घर पर ही उपलब्ध करवाएंगे, सरकारी एवं निजी स्कूलों में एक समान व्यवस्था, फीस ढांचा एवं अन्य सुविधाओं को भी एक समान करना है।

यह एक बड़ी सच्चाई है कि भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतान्त्रिक गणराज्य है, जिसका हमें गर्व भी है। परन्तु एक देश को लोकतान्त्रिक तभी समझा जाना चाहिए जब वहॉं लोकतंत्र के माध्यम से सुशासन की स्थापना हो, अन्यथा यह बात दिवास्वप्न ही होगी।

पार्टी के मेंटोर डॉ. एल. सी. शर्मा ने कहा की हमारा उद्देश्य है नए परिपेक्ष्य में नई सोच और नेतृत्व को आगे लाना, व्यवस्था में नई सहयोगात्मक एवं विकासात्मक सोच एवं शासन प्रणाली की रणनीति का प्रादुर्भाव, समुचित एवं अधिकतम तकनीक आधारित शासन व्यवस्था, जिम्मेवारी एवं आमजन में प्रसन्नता एवं मुस्कान के लिए सेवाएं, शासन व्यवस्था में जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों/ पदाधिकारियों की जिम्मेवारी तय करना आदि कुछ प्रमुख है। जे. पी. सिंह ने कहा की व्यवस्था बदल रही है तो हम क्यों न बदले, नेताओं के साथ नागरिकों की भी रेटिंग तय हो, जब दूसरे देश यह कर सकते है तो हम क्यों नहीं। पार्टी का एजेंडा बिल्कुल सही है यह नई दिशा तय करने वाली है। रेणु नेगी ने कहा कि सबसे अच्छी बात यह है कि हमारी पार्टी में महिलाओं की भागीदारी ज्यादा रहेगी जिसमें हम महिलाओं की समस्याओं को और अच्छे तरीके से दूर कर सकेंगे।

देश की आवाम और मज़बूत स्तंभ मीडिया के साथ इस राष्ट्रीय लोकनीति और लोकतंत्र की नींव को मज़बूत करने के उद्देष्य से सहयोग और समर्थन की अपील करता है। एक पारदर्शी जिम्मेवार सरकार की परिकल्पना एवं कश्मीर से कन्याकुमारी तक जाति,धर्म और संप्रदायों से ऊपर उठकर समान राष्ट्र के पुनर्निर्माण के लिए राष्ट्रीय लोकनीति पार्टी का आरंभ देश की राजधानी दिल्ली से किया गया है ।

विधानसभा के सामने आत्मदाह करने पहुंची लव जिहाद पीड़िता

लखनऊ, (एजेंसी)। यूपी की राजधानी लखनऊ में सोमवार को एक बार फिर विधानसभा के सामने आत्मदाह करने की कोशिश की गई। महिला आत्मदाह करने ही वाली थी कि विधानसभा के बाहर तैनात पुलिसकर्मियों ने ऐन वक्त पर पहुंचकर महिला को पकड़ लिया। महिला ने पुलिस पर कई गंभीर आरोप लगाए हैं। महिला का आरोप है कि उसके साथ लव जिहाद के नाम पर अवैध संबंध बनाए गए। पीड़िता ने आरोप लगाया है कि एक व्यक्ति ने अपना नाम बदलकर उसके साथ कई वर्षों तक रेप किया।

तैनात पुलिसकर्मियों ने ऐन वक्त पर पहुंचकर महिला को पकड़ लिया

पीड़िता ने बताया कि वह जब भी उस व्यक्ति से शादी करने की बात कहती तो वह व्यक्ति शादी को लेकर टाल मटोल करने लगता। इसके बाद महिला कार्रवाई के लिए पुलिस के पास पहुंची, यहां भी उसको मायूसी हाथ लगी। पीड़िता का आरोप है कि उसने आरोपी के अखिलाफ आशियाना थाने में कई बार शिकायत की थी, लेकिन ने उसकी शिकायत पर अभी तक कोई एक्शन नहीं लिया है। पुलिस की कार्रवाई से असंतुष्ट होकर उसने आत्मदाह का रास्ता चुना। सोमवार को वह सीधे विधानसभा पहुंची और यहां आत्मदाह करने का प्रयास किया, लेकिन पुलिस की मौजूदगी के चलते महिला की इस कोशिश भी नाकाम रही।

आपको बता दें कि यह कोई पहली घटना नहीं, इससे पहले हरदोई के पांच लोगों ने लोकभवन के सामने आत्मदाह का प्रयास किया। तीन महिलाओं और दो पुरुषों ने यहां खुद को जलाने की कोशिश की। मौजूद पुलिसकर्मियों ने तत्परता दिखाते हुए उन्हें बचा लिया। वहीं युवक उमाशंकर ने भी आत्मदाह की कोशिश की थी। मौके मौजूद पुलिस जवानों ने युवक को किसी तरह बचा लिया। पुलिस ने युवक को अस्पताल में भर्ती कराया था। जहां उसका इलाज चल रहा है। उमाशंकर ने बताया कि वर्ष 1977 में मां के नसबंदी कराने पर कुछ जमीन पट्टे पर मिली थी। अब लेखपाल और प्रधान मिलकर जमीन किसी और की बता रहे।

पहले भी विधानसभा के सामने लोग कर चुके हैं आत्मदाह का प्रयास

राजधानी लखनऊ में विधानसभा के सामने कई बार लोग आत्मदाह का प्रयास कर चुके हैं। 10 मार्च को भी विधान भवन के गेट नंबर 5 के सामने महिला ने आत्मदाह का प्रयास किया गया था। हालांकि विधानसभा की सुरक्षा में तैनात पुलिसकर्मियों ने महिला को बचा लिया। सुल्तानपुर भवानीपुर की रहने वाली महिला विधान सभा के गेट नंबर पांच पर पहुंची थी, इसके बाद महिला ने खुद को जलाने कोशिश की, लेकिन वहां पुलिसकर्मियों ने उसे बचा लिया।

कश्मीर में यातायात बहाल करने के लिए अभियान जारी

श्री नगर, (एजेंसी)। उत्तरी कश्मीर के कुपवाड़ा जिले के राजमार्ग में बर्फ जमा होने से सोमवार को चौथे दिन भी यातायात प्रभावित रहा, इससे वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। हालांकि नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास के कई इलाकों में यातायात बहाल करने व बर्फ हटाने का काम जारी है। इस दौरान सीमांत शहर गुरेज को राजमार्ग से जोड़ने का प्रयास किए जा रहे हैं, जो तीन और से पाक के कब्जे वाला कश्मीर से घिरा है। राजदान दर्रे व उसके समीप के क्षेत्रों में तीन से चार फुट बर्फ जमा होने से एक जनवरी से घाटी से संपर्क नहीं हो सका है।

कुपवाड़ा के पुलिस नियंत्रण कक्ष के अधिकारी ने बताया कि मौसम में सुधार होने के बाद राजमार्ग से बर्फ हटाने का अभियान कुपवाड़ा-करनाह और कुपवाड़ा-मछिल की सड़कों पर युद्धस्तर पर शुरू किया गया है। कुपवाड़ा-केरन रोड को तीनों दिनों के बाद रविवार को फिर से खोल दिया गया था, जहां वर्तमान में मुंडेन तक यातायात सुचारू रूप से चल रहा है, जो मुख्य शहर से कुछ किमी दूरी पर है। केरन शहर तक यातायात की बहाली के लिए बर्फ हटाने का अभियान युद्धस्तर पर चलाया जा रहा है।

गंगा की निर्मलता के लिए मोदी के भागीरथी प्रयास

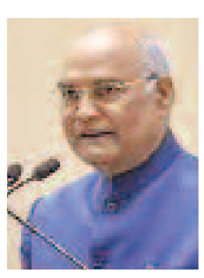

वाराणसी, (एजेंसी)। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने गंगा को भारतवासियों की पहचान, भारतीय संस्कृति एवं विकास का प्रमुख आधार बताते हुए उसकी निर्मलता के लिए वाराणसी सांसद नरेंद्र मोदी को नमामि गंगे मिशन के माध्यम से भागिरथ प्रयास करने वाला पहला प्रधानमंत्री बताया।

राष्ट्रपति कोविंद ने देशवासियों से इसे सामाजिक तथा व्यक्तिगत स्तर पर व्यापक रूप से अपनाने एवं आत्मसात करने के लक्ष्य के साथ निरंतर गहन मंथन, मनन एवं जागरूकता फैलाने की अपील की। उन्होंने उत्तर प्रदेश में पूर्वांचल के अपने तीन दिवसीय दौरे के आखिरी दिन एक मीडिया समूह की ओर से यहां के ताज होटल में आयोजित गंगा, वातावरण और भारत की संस्कृति विषयक समारोह का उद्घाटन करने हुए केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार के प्रयासों की सराहना की। साथ ही, तरह-तरह के सफाई एवं पर्यावरण संरक्षण के लिए विभिन्न सामाजिक संगठनों एवं लाखों प्रयासों को और बेहतर भविष्य का संकेत बताया। श्री कोविंद ने कहा कि मेरा मानना है कि गंगा और हमारी संस्कृति एक-दूसरे पर आधारित है। इस अवसर राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की पत्नी सविता कोविंद, यूपी की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल समेत वाराणसी एवं प्रयागराज के अनेक लोग मौजूद थे।

ब्रिटेन में नस्लवाद के मुद्दे पर राज्यसभा में बोले विदेश मंत्री जयशंकर

अगर जरूरत पड़ी तो सही जगह पर उठाएंगे आवाज

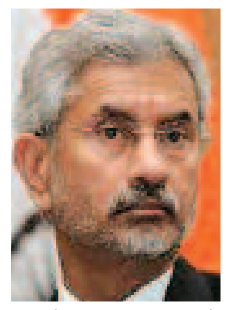

नई दिल्ली, (एजेंसी)। ब्रिटिश संसद में भारत में हो रहे किसान आंदोलन को लेकर हुई बहस के बाद भारत ने जवाबी कार्रवाई की है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सोमवार को राज्यसभा में ब्रिटेन में बढ़ रहे नस्लवाद के मुद्दे को उठाया। विदेश मंत्री ने कहा कि अगर जरूरत पड़ी, तो नस्लवाद के मुद्दे को सही प्लेटफॉर्म पर उठाया जाएगा।

हाल ही में एक भारतीय छात्रा को ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय छात्र संघ के अध्यक्ष पद से इस्तीफा देना पड़ा था। छात्रा रश्मि सामंत के पुराने सोशल मीडिया पोस्ट वायरल होने के बाद निशाने पर लिया गया था, जिसके बाद सामंत ने इस्तीफा दिया। इसके बाद भाजपा सांसद अश्विनी वैष्णव ने संसद में भारतीय छात्रा के इस्तीफा देने का मुद्दा उठाया था। इस पर विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा कि ब्रिटेन में नस्लभेद के मामलों पर बारीकी से नजर बनाए हुएं हैं, ऐसे में जरूरत पड़ने पर यह मुद्दा उचित स्थान पर उठाया जाएगा।

नस्लवाद के मुद्दे पर अपनी आंख मूंद कर नहीं बैठ सकते हम : विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने राज्यसभा में कहा कि हम महात्मा गांधी के देश के लोग हैं, ऐसे में नस्लवाद के मुद्दे पर हम अपनी आंख मूंद कर नहीं बैठ सकते। उन्होंने आगे कहा कि वो भी ऐसे देश में जहां बड़ी संख्या में भारतीय रहते हैं। विदेश मंत्री ने कहा कि ब्रिटेन के साथ हमारे रिश्ते अच्छे हैं, अगर कोई मामला सामने आता है, तो उस पर एक्शन लिया जाएगा।

क्या है मामला

भाजपा सांसद अश्विनी वैष्णव ने संसद को बताया कि ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी में भारतीय छात्रा रश्मि सामंत के साथ जो हुआ, वो गलत था। उन्होंने कहा कि रश्मि यूनिवर्सिटी के छात्र संघ की अध्यक्ष चुनी गई थीं, लेकिन उनके कुछ पुराने सोशल मीडिया पोस्ट वायरल होने के बाद उन्हें निशान पर लिया गया और शपथ लेने से पहले ही उन्हें इस्तीफा देना पड़ा था। भाजपा सांसद ने कहा कि कर्नाटक के उडूपी की मेधावी छात्रा रश्मि सावंत ने हर चुनौती पार की और ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय के छात्र संघ के अध्यक्ष पद पर निर्वाचित पहली भारतीय महिला होने का गौरव हासिल किया, लेकिन उनके साथ कैसा सलूक किया गया? उनकी उपलब्धि पर गौरवान्वित होने के बजाय उन्हें निशाना बनाया गया और वह भी इस हद तक कि उन्हें इस्तीफा देना पड़ा। जिस फैकल्टी सदस्य ने उनके अभिभावकों के धर्म को लेकर सार्वजनिक रूप से प्रतिकूल टिप्पणियां की, उसे कोई सजा नहीं दी गई। अगर ऑक्सफोर्ड जैसे संस्थान में ऐसा होता है तो दुनिया में क्या संदेश जाएगा?

समाज का आचरण उसके धर्म और मूल्यों का परिचायक

:अश्विनी वैष्णव ने कहा कि रश्मि ने किसी की भी भावनाओं को गैर इरादतन तरीके से आहत करने के लिए सार्वजनिक रूप से माफीनामा जारी किया था, लेकिन वह मानती हैं कि उन्हें सुनियोजित तरीके से निशाना बनाया गया। भाजपा सांसद ने ब्रिटेन के युवराज हैरी की पत्नी मेगन मर्केल द्वारा शाही घराने पर लगाए गए नस्लवाद के आरोपों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि एक समाज का आचरण उसके धर्म और मूल्यों का परिचायक होता है। अगर समाज में उच्च स्तर पर नस्लवाद इसी तरह जारी रहा तो निचले स्तर पर लोग किसका अनुसरण करेंगे?

ब्रिटेन में प्रवासियों के साथ होने वाले सलूक से पूरी दुनिया अवगत

अश्विनी वैष्णव ने कहा कि यह इक्का दुक्का उदाहरण नहीं हैं, बल्कि ब्रिटेन में प्रवासियों के साथ होने वाले सलूक से पूरी दुनिया अवगत है। उन्होंने कहा कि हमारी चिंता जायज है, क्योंकि वहां भारतीय मूल के लोगों की बड़ी संख्या है। ब्रिटेन को अब स्वयं को बदलना होगा। अगर वह खुद के लिए सम्मान चाहता है तो उसे खुद में बदलाव लाना होगा।